सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 214 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 10 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

सबसे अच्छी कस्टमर सर्विस वह है जब कस्टमर को आपसे बात करने की जरूरत न पड़े बस काम चलता रहे।

-जेफ बेज़ोस

सामाजिक न्याय की लड़ाई को और... 7 | विस चुनावों में भारी पड़ रहे सियासी... 3 | भाजपा सरकार की भ्रष्ट प्रक्रिया... 2

राहुल गांधी के तीखे प्रहार से आगबबूला हुए भाजपाई

अमेरिका में एकबार फिर भाजपा व आरएसएस पर भड़के नेता प्रतिपक्ष

» जातिगत जनगणना और सिक्खों पर दिए बयान से भी मचा बवाल

» कांग्रेस नेता पर भड़कीं मायावती, चिराग, गिरिराज व आरपी ने खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। अमेरिका में अपनी यात्रा के दूसरे दिन भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी आरएसएस व प्रधानमंत्री पर अपना हमला जारी रखा। इस दौरे के दौरान राहुल गांधी मंगलवार को वाशिंगटन डीसी में स्थित जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ संवाद करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा की आरएसएस ने शिक्षा प्रणाली, मीडिया, जांच एजेंसियों पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने जातिगत जनगणना, सिक्खों पर भी अपनी राय रखी। उनके बयान पर फिर देश में सियासी घमासान मच गया है। उनके बयान पर बीजेपी आगबबूला हो गई है। तमाम नेताओं की प्रतिक्रिया आ रही है।

आरक्षण पर की गई कांग्रेस नेता की टिप्पणी पर अब बीएसपी चीफ मायावती व लोजपा रामविललास के नेता चिराग पासवान ने भी उन पर निशाना साधा है। बसपा प्रमुख ने कांग्रेस और राहुल गांधी से सजग रहने की सलाह दी है। वहीं नरेंद्र मोदी और चुनाव को लेकर दिए गए राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी के सीनियर नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जमकर हमला बोला। राहुल गांधी के सिखों का उदाहरण देते हुए भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर भी राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। दरअसल वर्जीनिया के हर्नडन में एक कार्यक्रम में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा,(भारत में) लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या सिखों को पगड़ी पहनने की अनुमति दी जाएगी, क्या सिखों को कड़ा पहनने या गुरुद्वारा जाने की अनुमति दी जाएगी। लड़ाई इसी बात को लेकर है और यह सिर्फ़ सिखों के लिए नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है। उधर बीजेपी नेता आरपी सिंह ने अदालत में घसीटने की बात कह दी है।

चुनाव निष्पक्ष होते तो बीजेपी को नहीं मिलती इतनी सीटें

राहुल गांधी ने कहा कि गरीब भारत और उत्पीड़ित भारत ये समझ चुका है कि संविधान के खत्म होने पर देश खत्म हो जाएगा। गरीब इसे गहराई से समझ चुके है। गरीब जानता है की ये लड़ाई संविधान की रक्षा करने वालों और इसे नष्ट करने वालों के बीच छिड़ी हुई है। आज के समय में जाति जनगणना का मुद्दा भी बड़ा है। सब कुछ साथ में आया। उन्होंने आगे कहा,कि मुझे नहीं लगता कि निष्पक्ष चुनाव में भाजपा 246 के करीब थी। उनके पास बहुत बड़ा वित्तीय लाभ था। उन्होंने हमारे बैंक खाते बंद कर दिए थे। चुनाव आयोग वही कर रहा था जो वे चाहते थे, पूरा अभियान इस तरह से बनाया गया था कि नरेंद्र मोदी देश भर में अपना काम कर, जिन राज्यों में वे कमजोर थे, उन्हें उन राज्यों से अलग तरीके से डिज़ाइन किया गया था जहां वे मज़बूत थे, मैं इसे स्वतंत्र चुनाव के रूप में नहीं देखता, मैं इसे नियंत्रित चुनाव के रूप में देखता हूं।

मुझे पीएम मोदी से नफरत नहीं सहानुभूति है : राहुल

राहुल गांधी ने कहा, भारत भाषाओं, परंपराओं, धर्मों का एक संघ है। जब भारतीय लोग अपने धार्मिक स्थलों पर जाते हैं, तो वे अपने देवता के साथ विलीन हो जाते हैं, यह भारत की प्रकृति है, भाजपा और आरएसएस की गलतफहमी यह है कि वे सोचते हैं कि भारत अलग-अलग चीजों का एक समूह है, आप आश्चर्यचकित होंगे लेकिन मुझे मोदी जी पसंद है, मैं वास्तव में मैं नरेंद्र मोदी से नफरत नहीं करता, मैं उनके दृष्टिकोण से सहमत नहीं हूं, लेकिन मैं उनसे नफरत भी नहीं करता, कई मौकों पर मैं उनके साथ सहानुभूति रखता हूं। कांग्रेस नेता ने कहा, लड़ाई इस बात पर है कि हम किस तरह का भारत चाहते हैं। क्या हम ऐसा भारत चाहते हैं, जहां लोगों को वह मानने की अनुमति हो जो वे मानना चाहते हैं?... या हम ऐसा भारत चाहते हैं, जहां केवल कुछ लोग ही तय कर सकें कि क्या होने वाला है।

मैं राहुल गांधी को अदालत में घसीटूंगा : आरपी सिंह

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा, 1984 में दिल्ली में 3,000 सिखों का कत्लेआम किया गया, उनकी पगड़ियां उतार दी गईं, उनके बाल काट दिए गए और उनकी दाढ़ी मुंडवा दी गई। उन्होंने यह नहीं बताया कि यह सब तब हुआ जब कांग्रेस सत्ता में थी। उन्होंने गांधी पर सिख समुदाय के साथ कांग्रेस पार्टी के अपने इतिहास को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। सिंह ने गांधी को भारतीय धरती पर अपनी टिप्पणी दोहराने की चुनौती दी और कानूनी नतीजों की चेतावनी दी। सिंह ने कहा, मैं उनके खिलाफ मामला दर्ज करूंगा और उन्हें अदालत में घसीटूंगा।

जातीय जनगणना की आड़ में सत्ता पाना चाहती है कांग्रेस : मायावती

मायावती ने कहा, केन्द्र में काफी लम्बे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लागू नहीं किया और ना ही देश में जातीय जनगणना कराने वाली यह पार्टी अब इसकी आड़ में सत्ता में आने के सपने देख रही है, इनके इस नाटक से सचेत रहें जो आगे कभी भी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी। बसपा सुप्रीमो ने कहा, अब कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गाँधी के इस नाटक से भी सर्तक रहें जिसमें उन्होंने विदेश में यह कहा है कि भारत जब बेहतर स्थिति में होगा तो हम एसी, एसटी व ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस वर्षों से इनके आरक्षण को खत्म करने के षडयंत्र में लगी है। मायावती ने कहा, जबकि सच्चाई में कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण-विरोधी सोच की रही है। केन्द्र में रही इनकी सरकार में जब इनका आरक्षण का कोटा पूरा नहीं किया गया तब इस पार्टी से इनको इन्साफ ना मिलने की वजह से ही बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, लोग सावधन रहें। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, जब तक देश में जातिवाद जड़ से खत्म नहीं हो जाता है तब तक भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने के बावजूद भी इन वर्गों की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक हालत बेहतर होने वाली नहीं है अतः जातिवाद के समूल नष्ट होने तक आरक्षण की सही संवैधानिक व्यवस्था जारी रहना जरूरी।

जो अज्ञानी ज्यादा होते हैं वो अपने ज्ञान का प्रदर्शन भी ज्यादा करते हैं : गिरिराज

बीजेपी के सीनियर नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जमकर हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा, एक गांव की कहावत है... सौ चूहा खा के बिल्ली चली हज करने। कांग्रेस जो आजादी के बाद तुष्टीकरण की राजनीति करती रही, सिखों का कत्लेआम करती रही, अब सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। गिरिराज सिंह ने आगे कहा कि जो अज्ञानी ज्यादा होतें है वो अपने ज्ञान का प्रदर्शन भी ज्यादा करते हैं, राहुल गांधी तो कहते थे कि हम 400 सीट लेंगे, मैं लिख के देता हूं, कहां गईं 400 सीटें इतना थेथरई, इतना थेथरलॉजी नहीं देखा हमने कभी, इनके प्रश्न का जवाब देना खुद को बिलो द बेल्ट ले जाना है, वो विपक्ष के नेता हैं, जो आदमी 3 चुनाव में कांग्रेस पार्टी को रास्ते पर पहुंचा दिया, उस पर क्या बोलें, राहुल गांधी को जवाब देना मूर्खता से भरा है।

भाजपा सरकार की भ्रष्ट प्रक्रिया का परिणाम भुगत रहे अभ्यर्थी : अखिलेश यादव

डबल इंजन सरकार में इंजन फेल : सपा प्रमुख

» बोले - भाजपाई चालबाजी को अभ्यर्थी समझ रहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने 69000 शिक्षक भर्ती मामले में प्रदेश सरकार पर दोहरा खेल खेलने का अरोप लगाया । सपा मुखिया व यूपी के पूर्व सीएम ने कहा भाजपा सरकार की भ्रष्ट प्रक्रिया का परिणाम अभ्यर्थी क्यों भुगतें। अखिलेश ने एक्स के जरिये कहा कि जो काम 3 दिन में हो सकता था, उसके लिए 3 महीने का इंतजार करना और ढिलाई बरतना बताता है कि भाजपा सरकार किस तरह से नई सूची को जानबूझकर न्यायिक प्रक्रिया में उलझाना व सुप्रीम कोर्ट ले जाकर शिक्षक भर्ती को फिर से लंबे समय के लिए टालना चाह रही है।

सुप्रीम कोर्ट ले जाकर भर्ती लटकाने की भाजपाई चालबाजी को अभ्यर्थी समझ रहे हैं। सरकार का ऐसा आचरण घोर निंदनीय है। भाजपा सरकार नौकरी देनेवाली सरकार नहीं है। भाजपा किसी की सगी नहीं है। वंदे भारत एक्सप्रेस में इटावा के पास गड़बड़ी आने के बाद उसे एक इंजन से खींचने का वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पोस्ट किया। सपा प्रमुख ने भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा राज की ये धक्कामार रेल, डबल इंजन सरकार में इंजन फेल। बता दें, देश में चल रही ट्रेनों में सबसे वीआईपी और आधुनिक वंदे भारत के इंजन में अचानक आई खराबी ने सोमवार को न सिर्फ यात्रियों, बल्कि तकनीकी टीम से लेकर रेलवे अधिकारियों तक को परेशान कर दिया। नई दिल्ली से वाराणसी करीब 750 किलोमीटर की यात्रा के बीच वंदेभारत करीब 300 किलोमीटर दूरी तय करने के बाद इटावा में भरथना-साम्हों स्टेशन के बीच अचानक खड़ी हो गई। इंजन ने काम करना बंद कर दिया।

बागी 7 विधायकों पर कार्रवाई अभी नहीं

समाजवादी पार्टी अपने बागी 7 विधायकों पर कार्रवाई के मूड में नहीं दिख रही है। यही वजह है कि बगावत के छह माह बाद भी उन पर दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई के लिए विधानसभा अध्यक्ष को कोई अर्जी नहीं दी गई है। इसे विधायकों के सजातीय मतदाताओं की सहानुभूति हासिल करने की सपा की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। हालांकि, विधानसभा में सपा के मुख्य सचेतक कमाल अख्तर का कहना है कि बागी विधायकों को बचने का कोई मौका न मिले, इसके लिए पुख्ता सुबूत जुटाए जा रहे हैं। उसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। फरवरी में हुए राज्यसभा चुनाव में सपा के विधायक मनोज पांडेय, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह, राकेश पांडेय, पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी और आशुतोष मौर्य ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया था। इससे भाजपा के सभी आठ राज्यसभा प्रत्याशी जीत गए थे और सपा के दो प्रत्याशी ही राज्यसभा पहुंचे। तब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि सत्ता पक्ष की ओर से मिले पैकेज के चलते इन विधायकों ने पाला बदला। सपा ने इन विधायकों के खिलाफ दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई की बात भी कही।

यूपी उपचुनाव में बीजेपी की राह आसान नहीं

» कटेहरी और मिल्कीपुर में टिकट को लेकर खींचतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा की राह आसान नही दिख रही है। विपक्ष से उसे कड़ी चुनौती मिल ही रही उसकी अपनी ही पार्टी के लोग उसके पेशानी पर बल ला रहे हैं।

दरअसल, टिकट को लेकर ही पार्टी के भीतर ही जंग शुरू हो गई है। वैसे तो सभी सीटों पर दावेदारी के लिए रस्साकशी हो रही है, लेकिन भाजपा नेताओं के बीच असली जंग कटेहरी और मिल्कीपुर सीट के टिकट को लेकर है। इन दोनों सीटों पर अपने शागिर्दों व चहेतों को टिकट दिलाने के लिए कई मंत्री और संगठन के बड़े पदाधिकारी भी एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। इससे शीर्ष नेतृत्व को टिकट तय करने में दिक्कत है रही है।

सीएम योगी से मिलीं अपर्णा यादव

उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष बनाए जाने से नाराजगी की चर्चाओं के बीच भाजपा नेत्री अपर्णा यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से मुलाकात की। सीएम के आवास में हुई मुलाकात में अपर्णा के साथ उनके पति प्रतीक यादव भी थे। बता दें सरकार ने उप्र राज्य महिला आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ ही अपर्णा समेत दो उपाध्यक्ष भी नियुक्त किए थे। अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष ने दो दिन पहले ही कार्यभार ग्रहण कर लिया है लेकिन अपर्णा ने कार्यभार नहीं ग्रहण किया है।

सरकार के इशारे पर पुलिस कर रही हत्याएं: अजय राय

» मंगेश यादव के पिता से मिले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय राय ने प्रदेश की योगी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस युवाओं की हत्या कर रही है। कहीं गोली मारी जा रही है तो कहीं हिरासत में लेकर पीट कर मारा जा रहा है। इन मामलों को लेकर कांग्रेस संसद से सड़क तक आंदोलन करेगी। उन्होंने मांग की कि मंगेश यादव मामले में हाईकोर्ट के वर्तमान जज से न्यायिक जांच कराई जाए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं संगठन महासचिव अनिल यादव के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल जौनपुर स्थित मंगेश यादव के घर पहुचा। परिजनों से मुलाकात की। उन्हें ढांढस बढाया और हर स्तर पर मदद का आश्वासन दिया। जौनपुर से लौटने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सारी परिस्थितियां एनकाउंटर के फर्जी होने की तरफ इशारा कर रही हैं। इतना ही नहीं जिस तरह से घटना के मुख्य आरोपी मुख्यमंत्री के सजातीय विनय सिंह को एसटीएफ और पुलिस की नाक की नीचे से कोर्ट में सरेंडर कराया गया और बाकी आरोपियों को भी पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया गया, उससे एक बात और चर्चा में है कि कहीं मंगेश का एनकाउंटर उसके पिछड़े वर्ग से होने की वजह से तो नहीं किया गया।

पुलिस की कहानी में कई झोल

अजय राय ने कहा कि पुलिस की कहानी में कई झोल हैं, और प्रथम दृष्टया देखने से ही ये फर्जी एनकाउंटर लग रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जो व्यक्ति इतने संगीन अपराध में लिप्त होगा, क्या वो बेखबर अपने घर पर सोयेगा? उन्होंने आरोप लगाया कि दो सितंबर की देर रात मंगेश यादव को उसके घर से पुलिस उठाती है और दो दिन बाद का एनकाउंटर दिखाती है। मंगेश के परिजनों के इस बयान के बाद पूरी पुलिसिया कहानी फेल हो गई है। इसी तरह लूट का अब तक केवल 10 प्रतिशत माल ही बरामद हुआ है। ऐसे में सवाल ये है कि बाकी माल कहां है? प्रतिनिधि मंडल में पूर्व विधायक नदीम जावेद, शिव पांडेय आदि भी शामिल थे।

डिरेल करने की घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच हो : मायावती

» बोलीं- जन व रेल सुरक्षा पर ध्यान दे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मायावती ने कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश रचने की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने हा कि कानपुर में रेलवे पटरी पर गैस सिलेंडर आदि रखकर रेल दुर्घटना कराने के षडयंत्र का विफल होना संतोषजनक है। इसकी उच्च स्तरीय जांच पड़ताल के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है, ताकि जन व रेल सुरक्षा बनी रहे।

इसे पहले बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सुल्तानपुर में डकैती के बाद हुए एनकाउंटर को लेकर भाजपा और सपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप को लेकर निशाना साधा है। सुल्तानपुर जिले में एनकाउंटर के बाद से भाजपा व सपा में कानून-व्यवस्था को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। बसपा सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर आगे लिखा कि भाजपा की तरह सपा सरकार में भी तो कई गुना ज्यादा कानून-व्यवस्था का बुरा हाल था। दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, गरीबों व व्यापारियों आदि को सपा के गुंडे, माफिया दिनदहाड़े लूटते व मारते-पीटते थे। ये सब लोग भूले नहीं हैं। जबकि प्रदेश में वास्तव में कानून द्वारा कानून का राज बसपा के शासन में ही रहा है।

विस चुनावों में भारी पड़ रहे सियासी दांव!

हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में सीटों व गठबंधन पर रार

- कांग्रेस व बीजेपी में उभरे बगावती सुर
- नेताओं का आवागमन जारी, बनते-बनते बिगड़ रही बात
- जम्मू-कश्मीर में डैमेज कंट्रोल में जुटी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधान सभा चुनावों के लिए सियासी दलों में रार मची हुई है। कोई बगावत से दो-चार हो रहा है तो कोई गठबंधन को लेकर उहापोह में फंसा है तो कोई बात बनने के बाद भी बात बिगड़ने से घबराया हुआ है। इसबीच भाजपा, कांग्रेस, जजपा, पीडीपी, नेकां सब प्रचार में जुट गए है। विपक्ष जहां भाजपा व एनडीए सरकार की नीतियों को लेकर हमलावर है तो सत्ता पक्ष भी विपक्ष को घेरने का कोई भी मौका नही छोंड़ हैं। इसी क्रम में हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कैथल में बड़ा दावा किया है।

उन्होंने कहा है कि कांग्रेस भारी बहुमत से सत्ता में आएगी। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि यह निर्णय लिया गया था कि लोगों के आशीर्वाद से कांग्रेस की सरकार बनने पर कैथल में एक विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। सबसे पहले हम सभी दस्तावेज इकट्ठा करेंगे और जांच करेंगे, 2-2.5 साल के भीतर, हम मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा कर लेंगे। जम्मू-कश्मीर में आगामी चुनावों से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत शर्मा को चुनावी केंद्र शासित प्रदेश का नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह को भाजपा की चुनाव अभियान समिति का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है यह एक महत्वपूर्ण भूमिका है जो चुनावी लड़ाई के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीतियों की देखरेख करेगी। चौधरी सुखनंदन को उनके व्यापक जमीनी अनुभव को सामने लाते हुए चुनाव अभियान समिति का उपाध्यक्ष नामित किया गया है। आउटरीच प्रयासों को आगे बढ़ाने और मतदाताओं से जुड़ने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसके अलावा, पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को चुनाव प्रबंधन समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है। यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की छठी सूची जारी करने के एक दिन बाद आया है। सूची में 10 उम्मीदवार शामिल हैं, जिनमें पूर्व विधायक आरएस पठानिया उधमपुर पूर्व से चुनाव लड़ रहे हैं और बांदीपोरा जिला अध्यक्ष नसीर अहमद लोन अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, पूर्व उपमुख्यमंत्री कवींद्र गुप्ता को बाहु सीट से हटा दिया गया। अब तक, भाजपा ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 59 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। कुल सीटों में से भाजपा 67 पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। एक दशक में पहला विधानसभा चुनाव तीन चरणों में होगा। 18 सितंबर को पहले चरण में 24 सीटों पर मतदान होगा। 25 सितंबर को दूसरे चरण में 26 सीटों पर फोकस होगा. 1 अक्टूबर को होने वाले अंतिम चरण में 40 सीटें शामिल होंगी। ये चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पांच साल पहले घाटी और राज्य का विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद ये इस क्षेत्र के पहले चुनाव हैं।

राज्य की लंबित परियोजनाओं को पूरा करेंगे : सुरजेवाला

रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में सरकार बनेते ही हम सभी लंबित परियोजनाओं पर काम करेंगे। कांग्रेस भारी बहुमत से सत्ता में आएगी। जनता के आशीर्वाद से यहां बनने वाली कांग्रेस सरकार, कैथल को सरकार की पहली प्राथमिकता बनाएगी. उन्होंने 10 साल में मेडिकल कॉलेज के लिए 10 कमरे बनाए हैं, मुझे उम्मीद है कि हम दो साल में मेडिकल कॉलेज बनाने में सफल होंगे और यूनिवर्सिटी का काम भी पूरा कर पाएंगे, और सभी लंबित परियोजनाओं पर काम कर पाएंग। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हम पहले साल में शहर में हुए सभी नुकसान की भरपाई करेंगे और कैथल के पुराने गौरव को वापस लाएंगे, मुझे उम्मीद है कि कैथल में कांग्रेस पार्टी बहुत अच्छे अंतर से जीतेगी। हुए कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि बीजेपी सरकार ने 10 साल के शासन में सबसे अधिक युवाओं को बर्बाद और प्रताड़ित करने का काम किया है। हरियाणा को बेरोजगारी में नंबर-1 बना दिया है। हरियाणा के युवा जमीन बेचकर विदेशों की ओर पलायन कर रहे हैं। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार आंख बंद करके बैठी है। सरकारी विभागों में 2 लाख के करीब पद खाली पड़े हैं, 13 हजार पदों को खत्म किया जा चुका है।

रेलवे ने विनेश व पूनिया का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया

विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उन्हें रेलवे से आधिकारिक रूप से मुक्त होना होगा। अब, चूंकि रेलवे ने दोनों ओलंपिक खिलाड़ियों को उनकी सेवा से मुक्त कर दिया है, इसलिए फोगाट चुनाव लड़ सकती हैं। रेलवे ने सोमवार को पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के इस्तीफे स्वीकार कर लिए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोमवार को जारी अलग-अलग नोटिस में उत्तर रेलवे ने कहा कि छह सितंबर को दिए गए उनके इस्तीफे को ''सक्षम प्राधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया

गया है। पूनिया और फोगाट दोनों हाल में कांग्रेस में शामिल हुए हैं। फोगाट को जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी की ओर से टिकट दिया गया है। उत्तर रेलवे ने दोनों के मामलों में तीन महीने की नोटिस अवधि के प्रावधान में ढील दी। ऐसी अटकलें थीं कि नोटिस अवधि के मानदंड के मद्देनजर फोगाट संभवतः चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। चुनाव नियमों के अनुसार, हरियाणा में पांच अक्टूबर को होने वाला विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उन्हें रेलवे से आधिकारिक रूप से मुक्त होना होगा। अब, चूंकि रेलवे ने दोनों ओलंपिक खिलाड़ियों को उनकी सेवा से मुक्त कर दिया है, इसलिए फोगाट चुनाव लड़ सकती हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस व कांग्रेस में कलह!

सोमवार को जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के पूर्व प्रमुख विकार रसूल वानी ने गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि एनसी कार्यकर्ता पैसों का प्रलोभन देकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि विकार रसूल वानी इस बार बनिहाल सीट से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। विकार रसूल ने बनिहाल में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं पर एनसी के साथ बहस चाहते हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नेकां ने लोगों का खून चूसा है और उनका लाल झंडा खून का झंडा है। उन्होंने कहा कि मुझे बनिहाल में फारूक अब्दुल्ला या उमर अब्दुल्ला द्वारा रखी जा रही किसी भी परियोजना का उद्घाटन दिखाओ। एनसी ने लोगों का खून चूसा है और उनका लाल झंडा खून का झंडा है। इससे पहले विकार रसूल ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से अच्छी लड़ाई देखने को मिलेगी और पार्टी भारी बहुमत के साथ आगे बढ़ेगी। कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा कि मुझे विश्वास है कि कांग्रेस आगामी चुनावों में अच्छी लड़ाई लड़ेगी। हम भारी बहुमत के साथ नेतृत्व करेंगे। हमारे पास राज्य का दर्जा, बेरोजगारी, नौकरी की सुरक्षा, भूमि सुरक्षा और बिजली परियोजनाओं के मुद्दे हैं। उन्होंने क्षेत्र के राज्य का दर्जा बहाल करने की वकालत करने के लिए राहुल गांधी की प्रशंसा की और कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का विपक्ष के नेता के प्रति गहरा स्नेह है, जैसा कि उनके पास केंद्र शासित प्रदेश के लिए है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग राहुल गांधी से प्यार करते हैं और वह भी केंद्र शासित प्रदेश से प्यार करते हैं।

आप व कांग्रेस में एक साथ लड़ने पर रार

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन पर संशय बढ़ गया है। आप के हरियाणा प्रमुख सुशील गुप्ता ने साफ किया कि अगर आज गठबंधन पर फैसला नहीं हुआ तो शाम तक हम 90 सीटों के लिए सूची जारी कर देंगे। उधर ऐसी चर्चा भी हो रही है कि दोनों के बीच बात नहीं बन पाई है। इसे पहले आप सांसद संजय सिंह ने कहा था कि संदीप पाठक और सुशील गुप्ता ने साफ कर दिया है कि हम पूरी तरह से तैयार हैं और हमने अपनी सीटों की घोषणा या चुनाव लड़ने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। जैसे ही पार्टी संगठन और राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल से अनुमति मिलेगी, हम चुनाव लड़ेंगे। आप एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी है, हरियाणा में हमारा संगठन मजबूत है...नामांकन की आखिरी तारीख 12 सितंबर है। हमारे पास पर्याप्त समय नहीं है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 12 सितंबर नामांकन की अंतिम तारीख है। इससे पहले आम आदमी पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन करने को लेकर लगातार वार्ता कर रही है। गुप्ता ने कहा कि हम सभी 90 सीटों के लिए तैयारी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस आप को छह विधानसभा सीटें देने पर सहमत हो गई है। इसके अलावा कांग्रेस ने सपा को भी दो सीटें दी हैं। संभावना थी कि सोमवार को गठबंधन का एलान हो सकता है। लेकिन इससे पहले ही सुशील गुप्ता के बयान ने संशय बढ़ा दिया है। शनिवार के बाद रविवार को भी हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया और आप नेता राघव चड्ढा के बीच बैठक हुई थी। सूत्रों का दावा है कि आप दस सीटें मांग रही थी, लेकिन कांग्रेस ने उनको इतनी सीटें देने से साफ इन्कार दिया। कांग्रेस ने छह सीटों का ऑफर किया, जिस पर आप ने सहमति जताई थी। सूत्रों के अनुसार पंजाब के साथ लगी पिहोवा, कलायत, जींद और एनसीआर में गुरुग्राम, ओल्ड फरीदाबाद और पानीपत ग्रामीण विधानसभा सीट आप को देने पर सहमति बनी है। उधर, आप की ओर से पंजाब के साथ ही लगती गुहला चीका सीट भी मांगी है, लेकिन इस पर सहमति नहीं बनी है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को भी दो सीटें हैं। एनसीआर में शामिल हथीन और सोहना विधानसभा सीटें सपा के खाते में जा सकती हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

वन्यजीव गलियारे बनाने की जरूरत!

यूपी में आजकल भेड़ियों के आतंक से तराई इलाकों के कई गांव प्रभावित हैं। ये भेड़ियें पालतू जानवरों के साथ-साथ मानवीय जीवन का शिकार कर रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले दक्षिण भारत में हाथियों ने मानव बस्तियों में आकर फसलों का नुकसान पहुंचाया था। अब वन विशेषज्ञों के बीच चर्चा हो रही है कि आखिर इंसान और जानवर के बीच बढ़ते टकराव का कारण क्या है? वन से जुड़े लोगों का कहना है कि वन्यजीव गलियारे बनाने की जरूरत है जिससे जानवरों के आवागमन को सुरक्षित बनाया जा सके। एक रिपोर्ट के अनुसार इंसान जानवर टकराव के मामले साल दर साल बढ़ रहें। भारतीय पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों की मानें तो भारत में साल 2014 से लेकर साल 2020 के बीच 5000 से ज्यादा लोग इंसान-हाथी टकराव में मारे गए थे, जबकि साल 2015 से लेकर 2018 के बीच हिंसक मानव-बाघ टकराव के 400 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड के अध्ययनों से पता चलता है कि 20वीं सदी के अंत और 21वीं सदी की शुरुआत में इंसान-जानवर के टकराव में 30प्रतिशत तक वृद्धि देखी गई है।

विशेषज्ञों की माने तो पड़ों की कटाई और शहरीकरण के कारण जानवरों का प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहा है, जैसे-जैसे जंगलों को काटा जा रहा है, जानवरों के लिए भोजन और पानी की कमी हो रही है, जिससे वे इंसानी बस्तियों में घुसने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इसके अलावा एक कारण भारत की जनसंख्या बढ़ना भी है, दरअसर इस देश की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ कृषि और अन्य मानव गतिविधियों के लिए भूमि की मांग भी बढ़ी है, वन्य क्षेत्रों के समीप कृषि विस्तार से जानवरों को खेतों और गांवों में घुसने का मौका मिलता है, जो टकराव का कारण बनता है। वन गलियारे जंगलों को जोड़ते हैं ताकि जानवर सुरक्षित रूप से एक जंगल से दूसरे जंगल में जा सकें, जिससे वे इंसानी बस्तियों में घुसने से बचें। हाथी और बाघ जैसे बड़े जानवरों के लिए ये गलियारे महत्वपूर्ण हैं। साथ ही ग्रामीण और वन्य क्षेत्रों में सरकार और गैर-सरकारी संगठनों ने जन जागरूकता अभियान चलाए हैं। वन्यजीव बचाव दल तैनात किए गए हैं, जो संकट में फंसे जानवरों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उन्हें मानव बस्तियों से दूर रखने का काम करें। सरकार ने ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जिनके तहत जंगली जानवरों के हमले या फसलों को नुकसान पहुंचाने पर पीड़ितों को मुआवजा दिया जाता है। जंगलों के किनारे बसे गांवों में सोलर लाइट्स और अलार्म सिस्टम लगाए गए हैं ताकि रात के समय जानवरों की आवाजाही का पता चल सके। यह उपाय जानवरों के हमलों को रोकने में मदद कर सकता है।

“ भारतीय पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों की मानें तो भारत में साल 2014 से लेकर साल 2020 के बीच 5000 से ज्यादा लोग इंसान-हाथी टकराव में मारे गए थे, जबकि साल 2015 से लेकर 2018 के बीच हिंसक मानव-बाघ टकराव के 400 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड के अध्ययनों से पता चलता है कि 20वीं सदी के अंत और 21वीं सदी की शुरुआत में इंसान-जानवर के टकराव में 30प्रतिशत तक वृद्धि देखी गई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बुरे अतीत को भूल खुशियां व सफलता चुनिए

रेनू सैनी

आज कम्प्यूटर, टैबलेट एवं मोबाइल पर अधिकांश लोग काम करते हैं। आप सभी ने इन उपकरणों पर टाइपिंग का कार्य करते हुए कई बार गलत शब्द भी लिख दिए होंगे। ऐसा करने पर गलत शब्द का चयन करके उस पर डिलीट बटन दबा दिया होगा। ऐसा करने से गलत शब्द स्क्रीन से हट गए होंगे। सोचिए कितना अच्छा होता यदि जीवन में भी एक ऐसा ही डिलीट बटन होता। उस डिलीट बटन का प्रयोग आप अपने जीवन में करते और हर बुरी घटना को डिलीट कर देते। मनुष्य अपने बचपन में अक्सर ऐसा परिवेश देखता है जहां पर लोग चिंता एवं तनावग्रस्त रहते हैं। वे सुख, स्वास्थ्य एवं समृद्धि से भरपूर क्षणों को जीने के बजाय उन्हें उस चीज की चिंता करने में व्यय कर देते हैं जो अनिश्चित हैं।

चिंता और चिता में सिर्फ एक बिंदु का अंतर है, उसी तरह वास्तविक जीवन में भी चिंता करने वाले व्यक्ति की चिता बनते देर नहीं लगती। चार्ल्स एच. मेयो का तो इस संदर्भ में यह कहना है कि, 'मुझे आज तक एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जो काम की अति से मरा हो, अलबत्ता कई लोग चिंता की वजह से जरूर मरे हैं।' मनुष्य के जीवन की सबसे खूबसूरत बात यह है कि वह विश्व में फैले ज्ञान को जानकर स्वयं को सुधार सकता है। इसी तरह वह अपने जीवन से चिंताओं, मुसीबतों के जाल को भी काट कर फेंक सकता है। अब आप यह सोच रहे होंगे कि आखिर चिंताओं और मुसीबतों को डिलीट करने के लिए क्या करना होगा? इसके लिए आपको कुछ खास नहीं करना है, केवल 'कोनमारी विधि' को जानना एवं समझना है। यह कोनमारी विधि आपको मैरी कोंडो की पुस्तक, 'द लाइफ-चेंजिंग मैजिक ऑफ डाइटिंग अप' में मिल जाएगी। यदि आप पुस्तक तक नहीं पहुंच सकते तो कोई बात नहीं, इस लेख के माध्यम से आप 'कोनमारी विधि' को बड़ी ही सरलता से जान जाएंगे। 'कोनमारी विधि' कहती है कि जीवन से आप हर उस चीज को निकाल दीजिए, जो व्यर्थ है, आपके काम की नहीं है या फिर सिर्फ आपको दु:ख एवं तनाव देती है। अब बात आती है कि कौन सी व्यर्थ चीजों को जीवन से निकाला जाए।

ये व्यर्थ चीजें निम्न प्रकार से हो सकती हैं:- आपके जीवन में घटित कोई बुरी घटना या याद, पारिवारिक झगड़े, आपके घर में अव्यवस्थित या फालतू का सामान, बेवजह के अर्थहीन

संबंध अथवा किसी प्रियजन का बिछुड़ जाना। उपरोक्त पांचों बातों के बारे में आप गंभीरता से विचार करेंगे तो यह स्वयं जान जाएंगे कि वाकई प्रयोग में न आने वाली वस्तुएं, अर्थहीन संबंध, बुरी यादें, प्रियजन का असमय बिछुड़ जाना, अव्यवस्थित सामान और झगड़े न केवल हमारे मस्तिष्क को कुंठाग्रस्त कर देते हैं, अपितु हमारा सुख-चैन भी छीन लेते हैं। एक ऐसा बड़ा घर जो ढेर सारे अव्यवस्थित सामान से भरा हो, सुकून के पल नहीं दे सकता। वहीं एक छोटा, मगर अव्यवस्थित घर हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। इसी तरह संबंधों में अक्सर लोग गड़े मुर्दे उखाड़ने से परहेज नहीं करते। वे पुरानी और बीत चुकी बातों को लेकर अपने वर्तमान के संबंधों को भी खराब कर लेते हैं। ऐसा करके वे जीवन के उन आनंददायक पलों से वंचित रह जाते हैं जो मिल-जुलकर रहने से प्राप्त होते। जीवन सदा एक समान नहीं रहता। दुख-सुख दोनों इसके पहलू हैं। विक्टोरिया होल्ट कहते हैं कि, 'कभी अफसोस न करें। यदि यह अच्छा है, तो अद्भुत है। यदि बुरा है, तो अनुभव है।' नितेश कुमार का जन्म 30 दिसम्बर, 1994 को हुआ था। वर्ष 2009 में जब वे केवल पन्द्रह साल के थे तो विशाखापत्तनम में एक रेल दुर्घटना के दौरान उनका बायां पैर कट गया। किशोरावस्था में हुए इतने बड़े हादसे ने नितेश एवं उनके परिवार को अंधकार में डाल दिया। लेकिन कुछ समय बाद अपने परिवार का साथ पाकर नितेश ने इस दुर्घटना से बाहर आने का निर्णय लिया। नितेश अपनी पढ़ाई करते रहे। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी कि आईआईटी की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। वे एक सफल इंजीनियर बन गए। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने बैडमिंटन खेलना आरंभ किया। कुछ समय बाद उन्होंने पैराएथलीट बनने का निर्णय लिया।

इस तरह उन्होंने प्रतियोगिताओं में जाना आरंभ कर दिया। पेरिस पैरालंपिक 2024 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उनका कहना है कि, 'मैंने दृढ़ संकल्प कर लिया था कि अपनी दुर्घटना को भूलकर आगे के सुंदर जीवन पर ध्यान दूंगा। मैंने बस यही किया और सफलताएं मेरे साथ जुड़ती चली गईं।' उन्होंने स्वयं को 'कोनमारी विधि' के माध्यम से ही उभारा। इसी तरह कोई भी व्यक्ति 'कोनमारी विधि' के माध्यम से अपने जीवन के बुरे अनुभवों और बुरी परिस्थितियों को डिलीट कर सकता है। आप भी आज से ही अपने जीवन में 'कोनमारी विधि' को शामिल कीजिए और खुशियों एवं सफलता को चुनिए।

कंधार अपहरण के असहज सत्य और सबक

ज्योति मल्होत्रा

वास्तविक जीवन जैसी दिखने वाली वेब सीरीज के साथ समस्या यह है कि वह अपने साथ बहुत सी पुरानी यादें लेकर आती है। 'आईसी 814:- कंधार हाईजैक' नामक इस सीरीज के साथ मुश्किल यह हो रही है कि यह भारत को कमजोर दिखाती है: निशक्त, पस्त-अक्षम। नरेंद्र मोदी सरकार की मुश्किल यह है कि उन काले दिनों और रातों को दफनाना चाहती है - जो 1999 में क्रिसमस से पहली शाम और नए साल की पूर्व संध्या के बीच मुसीबत बनकर टूटे थे, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को 300 से अधिक यात्रियों की जिंदगी के बदले में तीन आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा था -इसकी जगह वह मधुर, गर्मजोशी भरा और खुशनुमा अहसास बनाए रखना चाहती है, जो एक मजबूत देश का नेतृत्व मजबूत नेता के हाथ होने पर तारी रहता है। परंतु कठिनाई यह है कि इतिहास इस तरह के अहसासों का बंधक नहीं हो सकता। जो होता है, ठीक वही पेश करता है।

उस वक्त की कुछ झलकियां पेश हैं: अपहृत विमान में फंसे यात्रियों के परिवारों की मुश्किलें वाजपेयी सरकार की कमजोरी बन गई, जिनके सिर पर सरकार और अपहर्ताओं के बीच सौदा सिरे न चढ़ने पर हर किस्म के नुकसान का खतरा था। ब्रिटेन में पढ़ा और वहां के लहजे में अंग्रेजी बोलने वाला उमर शेख - जो कि भारत सरकार द्वारा रिहा किए गए तीन आतंकवादियों में से एक था-उससे जब कंधार में भारतीय खुफिया अधिकारी आनंद अर्नी ने पूछा कि आजाद होने का क्या अर्थ है, तो उसने जवाब में ढेरों अपशब्द बके। पाकिस्तान की आईएसआई, जिसका पूरी तरह नियंत्रण था, उसने समझौता वार्ता के दौरान भी बुनियादी शर्तों को बदलवाया - 29 दिसंबर की शाम तक, सहमति केवल एक मसूद अजहर को रिहा करने तक सीमित थी, लेकिन 30 दिसंबर की सुबह होते-होते अपहर्ता तीन आतंकवादियों को रिहा करने की मांग पर अड़ गए। यह वही था, जो होकर रहा। कभी-कभी समस्या यह होती है कि लोग अतीत को वर्तमान के संदर्भ में देखने लगते हैं।

उन्हें इस तथ्य से शर्मिंदगी महसूस होती है कि तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह भी उसी विमान से कंधार गए थे, जिसमें कुछ पीछे की सीटों पर रिहा किए जाने वाले तीनों आतंकवादी सवार थे, जो उन्हें सुनाने को जोर-जोर से अपशब्द बकते रहे। बहुत से लोगों का कहना है कि मंत्री को नहीं जाना चाहिए था, कई ने सवाल किया कि उन्होंने अपने पद की गरिमा क्यों गिराई? लेकिन उस वक्त में झांकने पर पता चलता है कि 1999 में भारत की स्थिति क्या थी। परमाणु परीक्षण हुए कोई एक साल गुजरा था और भारत अभी भी अंतर्राष्ट्रीय तौर पर अभिशप्त-सा था और आगामी गर्मी में अमेरिकी राष्ट्रपति क्लिंटन का दौरा होना तय था। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध खत्म हुए बमुश्किल चंद महीने बीते थे। उस सप्ताह, जब अपहृत हुए विमान ने काठमांडू से अमृतसर होते हुए कंधार के लिए उड़ान भरी, जसवंत सिंह ने मदद के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य जगहों पर अपने कई समकक्षों को संपर्क करने की कोशिश की- लेकिन किसी ने उनका फोन नहीं उठाया। यह सप्ताह नए साल की खुशियां मनाने का था।

आप जब जश्न मनाने में व्यस्त हों, ऐसे में तीसरी दुनिया के देश का कोई परेशान आदमी आपको उस समय फोन करे, तो आप केवल यही सोच सकते हैं कि अपनी समस्याओं से वह खुद क्यों नहीं निबट लेता? यही चीज है जिससे असली कमजोरी झलकती है। भले ही आप मदद पाने के लिए कितने भी अधीर हों, लेकिन कोई आपका फोन नहीं उठाना चाहता। 'रॉ' के तत्कालीन प्रमुख एएस दुलत के अनुसार, जसवंत सिंह उस सप्ताह दिल्ली में 'अकेले पड़े एक आदमी' थे। उनको लगा कि यदि कोई वरिष्ठ व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से लेन-देन प्रक्रिया की देखरेख करने साथ नहीं गया, तो कहीं अंतिम समय में ऐसा कुछ न हो जिससे यात्रियों की जान खतरे में पड़ जाए। सच तो यह है कि भारतीय वार्ताकार कंधार में कमजोर पड़े प्रतीत हुए क्योंकि उनके पास अपनी बात मनवाने की गुंजाइश बहुत कम या न के बराबर थी। विमान दुश्मन के इलाके में था। कठपुतलियों की डोर आईएसआई के हाथ में थी और सभी पत्ते भी उसके हाथ में थे। नेटफ्लिक्स सीरीज उन सभी भारतीय दर्शकों को यह असहज सच्चाई स्वीकारने को मजबूर करती है कि हकीकत में हम वह राज्य नहीं हैं जोकि हम मानते रहे कि हम हैं।

हम कमजोर थे, और शायद, अब भी हैं। वेब सीरीज ने हम सभी की इस रग को छूआ है कि जब रोशनी बुझ जाती है और हमारे समक्ष केवल हम ही होते हैं, तो क्या सच है और क्या नहीं, यह हमें पता होता है। हम जानते हैं कि हम उतने तगड़े नहीं हैं जितना खुद को मानते हैं। कुछ लोग कह सकते हैं कि 25 साल का समय बहुत लंबा होता है और भारत काफी आगे निकल चुका है- वे पाकिस्तान के साथ वार्ता के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपनाए गए सख्त रुख को गिनाते हैं। कुछ अन्य लोगों का इशारा 2016 में अभूतपूर्व सर्जिकल स्ट्राइक की तरफ होगा, जब भारतीय सशस्त्र बलों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पार की और पाकिस्तानी सेना द्वारा समर्थित आतंकवादियों के खिलाफ सफलतापूर्वक अभियान चलाये। फिर भी, हम जानते हैं कि कमजोरी बनी हुई है, भीतर और बाहर। पिछले सप्ताह की शुरुआत में सिंगापुर में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चीनियों पर कसे तंजों के बावजूद हकीकत यह है कि लद्दाख में चीनियों ने हमारे सैनिकों को उस बड़े हिस्से में गश्त करने से वर्जित कर रखा है, जहां पर वे साल 2020 तक गश्त कर सकते थे।

गणपतिपुले मंदिर

महाराष्ट्र के कोंकण में रत्नागिरी जिले में स्थित भगवान गणेश का ये मंदिर काफी प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि ये यहां स्थापित बप्पा की प्राकृतिक रूप से स्थापित हुई है। ये मूर्ति लगभग 400 साल पुरानी है। ऐसे में इस मंदिर में बप्पा से दर्शन के लिए लोग सालभर आते हैं। आप भी चाहें तो इस गणेशोत्सव में बप्पा के दर्शन की योजना बनाएं।

त्रिनेत्र मंदिर

राजस्थान के रणथंभौर में स्थित त्रिनेत्र मंदिर देश का सबसे प्राचीन बप्पा का मंदिर कहलाता है। इसके साथ ही ये पूरी दुनिया में इकलौता ऐसा गणेश मंदिर है, जहां श्री गणेश की तीन नेत्रों वाली प्रतिमा विराजमान है। इसके साथ ही इस मंदिर में गणपति बप्पा अपने पूरे परिवार के साथ विराजमान हैं।

सिद्धिविनायक मंदिर

महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित सिद्धिविनायक मंदिर के दर्शन के लिए लोग काफी दूर-दूर से आते हैं। इस मंदिर की स्थापना 1801 में की गई थी। ऐसी मान्यता है कि सिद्धिविनायक मंदिर में सच्चे मन में मुराद मांगने वालों की मन्नत पूरी होती है। यही वजह है कि बप्पा के दर्शन के लिए लोग विदेशों तक से आते हैं।

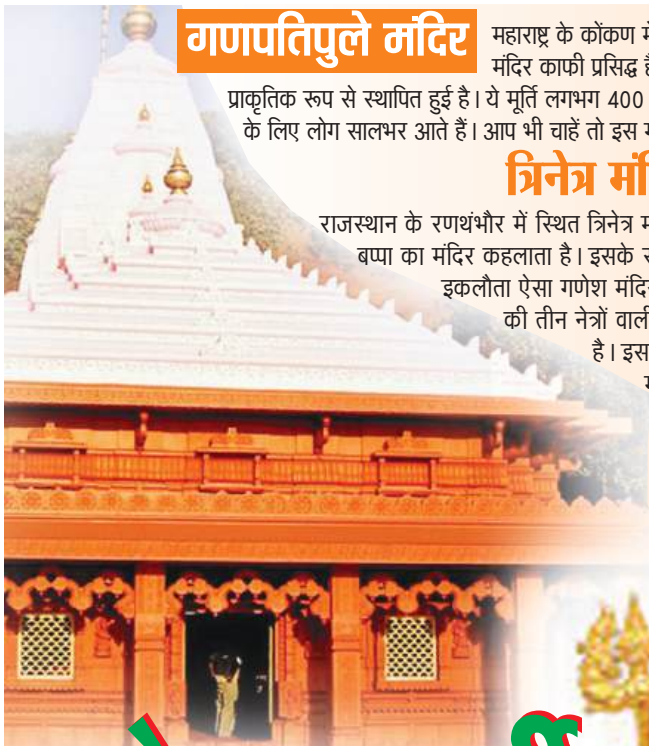

गणेश चतुर्थी
इन मंदिरों के दर्शन की बनाएं योजना

दगडूशेठ हलवाई गणपती

अगर आप पुणे में या उसके आस-पास रहते हैं, तो श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर के दर्शन करने अवश्य जाएं। इस प्रसिद्ध मंदिर में 7.5 फीट ऊंची और 4 फीट चौड़ी गणपति की विशाल मूर्ति स्थापित है, जिसे कीमती सोने के आभूषणों से सजाया गया है। यह मंदिर अपनी भव्यता और यहां आने वाले हर भक्त की मुराद पूरी होने के कारण प्रसिद्ध है। बप्पा के दर से कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं जाता है। यहां बप्पा 30 दिनों में भक्तों की हर मनोकामना पूरी कर देते हैं। यह मंदिर दगरूसेठ हलवाई और पुणे के गोडसे परिवार की श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है।

वक्रतुण्ड महाकाय सुर्यकोटि समप्रभ, निर्विघ्नं कुरु में देव सर्वकार्येषु सर्वदा। हिंदू धर्म में जब भी किसी कार्य की शुरुआत होती है तो उससे पहले भगवान गणेश को निमंत्रण दिया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी कार्य की शुरुआत भगवान गणेश के आशीर्वाद से हो तो कार्य निर्विघ्न पूरा होता है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इस दिन को गणेश चतुर्थी कहते हैं। हर साल 10 दिन चलने वाले गणेश उत्सव का शुभारंभ हो चुका है। गणेश चतुर्थी में लोग ढोल नगाड़ों के साथ बड़ी ही धूमधाम से बप्पा को अपने घर लाते हैं और उनकी स्थापना करते हैं। गणेश चतुर्थी की धूम पूरे देश में दिखाई देती है। अगर गणेशोत्सव के मौके पर आप कहीं घूमने की योजना बना रहे हैं तो देश के सबसे बड़े और प्राचीन गणपति मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

चिंतामण गणेश मंदिर

वैसे तो उज्जैन को महाकाल की नगरी कहा जाता है, लेकिन यहां भी महाकाल के पुत्र भगवान श्री गणेश का एक प्राचीन मंदिर है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान गणेश की तीन प्रतिमाएं स्थापित हैं। इनमें से पहली चिंतामण, दूसरी इच्छामन और तीसरा सिद्धिविनायक गणेश प्रतिमा हैं। अगर आप महाकाल के दर्शन को जा रहे हैं तो चिंतामण गणेश मंदिर के भी दर्शन करें।

हंसना मना है

खिड़की पर खड़े आदमी से कैशियर ने कहा- पैसे नहीं है, ग्राहक : और दो मोदी माल्या को पैसा, सारे पैसे लेकर भाग गए विदेश में, कैशियर ने खिड़की में से हाथ निकाला और उसकी गर्दन दबोच कर कहा साले बैंक में तो है तेरे खाते में नहीं है भिखारी।

एक लड़की ने पिज्जा शॉप में जा कर पिज्जा आर्डर किया। वेटर: मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली : 4 पीस ही कर दो। 8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी।

ग्राहक: बेटा तेरे पापा की तो रसगुल्ले की दुकान है, तेरा खाने का मन नहीं करता? बच्चा : बहुत मन करता है अंकल लेकिन पापा गिन कर रखते हैं इसलिए बस चूस के वापिस रख देता हूं। ग्राहक बेहोश..

लड़का एक लड़की के साथ घर आया। मां: कौन है यह? लड़का: यह मेरी धर्म-पत्नी है। मां: कब से चल रहा था तुम दोनों के बीच ये सब? लड़का: पता नहीं यह तो पार्क में मेरे बगल में बैठी किसी का इंतज़ार कर रही थी। बजरंग दल वालों ने हमारी शादी करवा दी।

कहानी | सभी के कर्म एक समान नहीं हैं

एक बार एक शिव भक्त धनिक शिवालय जाता है। पैरों में महंगे और नये जूते होने पर सोचता है कि क्या करूं? यदि बाहर उतार कर जाता हूं तो कोई उठा न ले जाये और अंदर पूजा में मन भी नहीं लगेगा। सारा ध्यान जूतों पर ही रहेगा। उसे बाहर एक भिखारी बैठा दिखाई देता है। वह धनिक भिखारी से कहता है- भाई मेरे जूतों का ध्यान रखोगे? जब तक मैं पूजा करके वापस न आ जाऊं, भिखारी- हां कर देता है। अंदर पूजा करते समय धनिक सोचता है कि हे प्रभु! आपने यह कैसा असंतुलित संसार बनाया है? किसी को इतना धन दिया है कि वह पैरों तक में महंगे जूते पहनता है तो किसी को अपना पेट भरने के लिये भीख तक मांगनी पड़ती है! कितना अच्छा हो कि सभी एक समान हो जायें। वह धनिक निश्चय करता है कि वह बाहर आकर भिखारी को 100 का एक नोट देगा। बाहर आकर वह धनिक देखता है कि वहां न तो वह भिखारी है और न ही उसके जूते ही। धनिक ठगा सा रह जाता है। वह कुछ देर भिखारी का इंतजार करता है कि शायद भिखारी किसी काम से कहीं चला गया हो। पर वह नहीं आया। धनिक दुखी मन से नंगे पैर घर के लिये चल देता है। रास्ते में फुटपाथ पर देखता है कि एक आदमी जूते चप्पल बेच रहा है। धनिक चप्पल खरीदने के उद्देश्य से वहां पहुंचता है, पर क्या देखता है कि उसके जूते भी वहां रखे हैं। जब धनिक दबाव डालकर उससे जूतों के बारे में पूछता है तो वह आदमी बताता है कि एक भिखारी उन जूतों को 100 रु. में बेच गया है। धनिक वहीं खड़े होकर कुछ सोचता है और मुस्कराते हुये नंगे पैर ही घर के लिये चल देता है। उस दिन धनिक को उसके सवालों के जवाब मिल गये थे। समाज में कभी एकरूपता नहीं आ सकती, क्योंकि हमारे कर्म कभी भी एक समान नहीं हो सकते। और जिस दिन ऐसा हो गया उस दिन समाज-संसार की सारी विषमतायें समाप्त हो जायेंगी। ईश्वर ने हर एक मनुष्य के भाग्य में लिख दिया है कि किसको कब और क्या और कहां मिलेगा। पर यह नहीं लिखा होता है कि वह कैसे मिलेगा। यह हमारे कर्म तय करते हैं। जैसे कि भिखारी के लिये उस दिन तय था कि उसे 100 रु. मिलेंगे, पर कैसे मिलेंगे यह उस भिखारी ने तय किया। हमारे कर्म ही हमारा भाग्य, यश, अपयश, लाभ, हानि, जय, पराजय, दु:ख, शोक, लोक, परलोक तय करते हैं। हम इसके लिये ईश्वर को दोषी नहीं ठहरा सकते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शुभ समाचार मिलेंगे, नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आज किसी प्रभावशाली वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृषभ स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन आज की यात्रा मनोरंजक बनी रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क नौकरीपेशा को आय बनी रहेगी। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दौड़धूप होगी। विवाद से क्लेश होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह आज शुभ समाचार मिलेंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय हो सकता है।

कन्या पारिवारिक मित्र व संबंधी अतिथियों के रूप में घर आ सकते हैं। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

तुला किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है।

वृश्चिक आज कर्ज लेना पड़ सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

धनु अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर व्यापार में नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन पर विचार हो सकता है। व्यापार ठीक चलेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

कुम्भ किसी स्थान की यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। भाइयों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा।

मीन व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय में दूसरों पर भरोसा न करें। आशंका-कुशंका के चलते कोई बड़ी गलती हो सकती है।

अल्लू अर्जुन और पुष्पा-2 के प्रशंसक इस बार भी एक धमाकेदार आइटम सॉन्ग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं

पुष्पा 2 में तृप्ति डिमरी का दिखेगा आइटम सॉन्ग!

अल्लू अर्जुन की इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2 की रिलीज का हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। वहीं फिल्म से जुड़ी हर एक जानकारी के लिए प्रशंसक इसकी हर एक नवीनतम अपडेट पर अपनी नजर रखते हैं। पुष्पा 2 की रिलीज डेट जैसे-जैसे करीब आ रही है दर्शकों के बीच फिल्म का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है। फिल्म के टीजर, ट्रेलर और गाने प्रशंसकों को बेहद पसंद आए, लेकिन सभी प्रशंसक पिछली फिल्म पुष्पा 1 के धमाकेदार आइटम सॉन्ग ऊ अंटावा की तरह ही इस बार भी एक धांसू आइटम नंबर की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन इस बार कौन करेंगी पुष्पा: द रूल में आइटम नंबर?

अल्लू अर्जुन और पुष्पा 2 के प्रशंसक इस बार भी एक धमाकेदार आइटम सॉन्ग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पुष्पा 1 में सामंथा रुथ प्रभु ने ऊ अंटावा गाने को देखकर प्रशंसकों के पसीने छूट गए थे। इस बार सामंथा की जगह कौन सी अभिनेत्री अपने हॉट डांस मूव्स से दर्शकों का दिल जीतेगी। इसका फैसला लगभग हो चुका है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार सामंथा की जगह भूल भुलैया 3 अभिनेत्री तृप्ति डिमरी पुष्पा 2 में एक खास गाने के जरिए लोगों के होश उड़ा सकती हैं या फिर यह भी हो सकता है कि वह इस बार पुष्पा 2 का सबसे खतरनाक और सेंसेशनल आइटम सॉन्ग करें। हालांकि, अभि तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। यह फिल्म 6 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी।

इसमें कोई दोहराय नहीं है कि पुष्पा: 2 द रूल इस साल भारतीय सिनेमा की सबसे बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्म पुष्पा ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। अब, अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के प्रशसंकों की नजरें पुष्पा: द रूल के साथ ही इसके आइटम सॉन्ग पर टिकी हुई है। वहीं सोशल मीडिया में भी इस बार की चर्चा तेज है कि आखिर इस बार कौन सी अभिनेत्री पुष्पा 2 के गाने से तहलका मचाएंगी। हालांकि, इस गाने में कौन सी हीरोइन जलवा बिखेरेगी, यह अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन अल्लू अर्जुन के साथ डांस करने के लिए जान्हवी कपूर और तृप्ति डिमरी के नाम पर विचार किया जा रहा है।

'जिगरा' के निर्देशक ने श्रद्धा कपूर के फैंस से मागी माफी

आलिया भट्ट की आगामी फिल्म जिगरा का टीजर बीते रविवार को रिलीज हुआ। इसके बाद से ही इस फिल्म को लेकर काफी बातें की जा रही हैं। इस टीजर के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ती जा रही है। इस बीच फिल्म के निर्देशक ने श्रद्धा कपूर के फैंस से माफी मांगी है। दरअसल, जिगरा निर्देशक वसन बाला ने कुछ समय पहले श्रद्धा कपूर की हालिया रिलीज फिल्म स्त्री 2 की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था। इस पोस्ट में उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को टैग किया था, लेकिन अभिनेत्री को टैग करना भूल गए थे, जिस वजह से अभिनेत्री के फैंस ने उनकी काफी आलोचना की थी।

हाल में ही जिगरा का टीजर जारी किया गया था। आलिया और वेदांग रैना द्वारा साझा किए गए फिल्म के टीजर को श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिर से पोस्ट किया। उन्होंने इसे साझा करते हुए लिखा, यह तो थिएटर में भाई के साथ देखना है। उन्होंने इस पोस्ट में अपने भाई सिद्धांध कपूर को भी टैग किया। उन्होंने आलिया भट्ट को टैग करते हुए लिखा था, क्या कमाल लड़की है। वहीं, वेदांग को टैग करते हुए उन्होंने लिखा था, क्या कमाल का ट्रेलर है। उन्होंने इस पोस्ट में जिगरा का हैशटैग भी जोड़ा था। उनके इस पोस्ट के जवाब में आलिया ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर श्रद्धा की तारीफ की और कहा,

हाहाहा थैंक यू माय ब्लॉकबस्टर स्त्री।

अब श्रद्धा द्वारा फिल्म की सराहना करने पर निर्देशक वसन बाला ने भी उनकी तारीफ करते हुए उनके फैंस से माफी मांगी है। वसन बाला ने अभिनेत्री द्वारा की गई सराहना का जवाब देते हुए उनके पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया। उन्होंने लिखा धन्यवाद श्रद्धा, आशा है कि आप और सिद्धांत भी फिल्म का आनंद लेंगे। इस मामले से यह संबंधित नहीं है, लेकिन मैं आपके प्रशंसकों से क्षमा मांगन चाहता हूं। भूल चूक माफ।

बॉलीवुड | मन की बात

गोविंदा को पसंद नहीं थी अपनी कॉमेडी फिल्में, ब्रेक लेने का किया था एलान

गोविंदा अपने डांस और कॉमेडी फिल्मों की वजह से लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक हिट कॉमेडी फिल्में दी हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी आया था, जब गोविंदा ने ऐसी फिल्मों से खुद को दूर करने का फैसला लिया था और कुछ गंभीर किरदार करने की ठानी थी। गोविंदा ने साल 2003 में एक साक्षात्कार में कॉमेडी फिल्मों से ब्रेक लेने का एलान किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी कॉमेडी फिल्मों को कभी बढ़िया फिल्में नहीं बताया जाता। उन्हें टाइम पास फिल्में कहा जाता है। गोविंदा ने कहा था कि उन्हें एक ही तरह की कहानी वाली फिल्मों से नफरत है। इसलिए, अगर कोई ताजी और नई कहानी होगी तभी वो कॉमेडी फिल्म करेंगे। गोविंदा ने ये घोषणा करते हुए कहा कि अब से वो कॉमेडी फिल्मों में काम नहीं करेंगे, कहा था कि वो अपने नाम को खराब नहीं करना चाहते। उस वक्त उन्होंने इसे बाहर निकलने का सही समय बताया था। पुरस्कार नहीं मिलने पर उनका दर्द भी छलका था। गोविंदा ने कहा था कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी में हमेशा पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया, लेकिन कभी जीत नहीं पाए। राजा बाबू, हीरो नंबर 1, बड़े मियां छोटे मियां, दुल्हे राजा, पार्टनर, भागम भाग, चलो इश्क लड़ाएं और राजा भैया समेत कई कॉमेडी फिल्मों में काम करने वाले गोविंदा ने उस वक्त स्वीकार किया था कि वो गंभीर रोल कर-करके थक गए थे, जिसके बाद उन्होंने कॉमेडी फिल्मों में काम शुरू किया था। गोविंदा ने अपने करियर की पसंदीदा फिल्मों पर बात करते हुए कहा था कि उन्हें हत्या और स्वर्ग पसंद है। ये हैरानी की बात थी कि कॉमेडी फिल्मों से मशहूर हुए अभिनेता की जुबान पर अपनी एक भी कॉमेडी फिल्म का नाम नहीं आया था। गोविंदा ने भले ही कॉमेडी से दूर जाने का निर्णय लिया था, लेकिन वो कई बार फिल्मों में लोगों को गुदगुदाते नजर आए थे।

अब तक कोई नहीं खोल पाया बिहार का ये गुप्त कमरा, यहां छुपा है अरबों का खजाना!

बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में स्थित सोन भंडार गुफा में एक रहस्यमय खजाना छुपा हुआ है, जिसे हर्यक वंश के प्रथम राजा बिम्बिसार की पत्नी ने छिपाया था। इतिहासकारों के अनुसार, बिम्बिसार की पत्नी ने राजा के खजाने को जप्ती से बचाने के लिए इस गुफा में छिपाया था, जब बिम्बिसार को उनके पुत्र अजातशत्रु ने बंदी बना लिया था।

सोन भंडार गुफा में दो मुख्य कमरे हैं। पहले कमरे का आकार 10.4 मीटर लंबा और 5.2 मीटर चौड़ा है, जिसमें खजाने की रक्षा के लिए सिपाही तैनात रहते थे। इस कमरे से एक और गुप्त कमरे तक पहुंचा जा सकता है, जिसे एक बड़ी चट्टान से ढका गया है। यह खजाना इस चट्टान के पीछे छिपा माना जाता है। लेकिन इसे खोलने में अब तक कोई सफल नहीं हो पाया है। बताया जाता है कि शंखलिपी में छिपी भाषा से ही इसे डिकोड किया जा सकता है। वहीं स्थानीय कर्मचारी बताते हैं कि सरकार इसका संरक्षण इसलिए करती है, क्योंकि अगर इसकी खुदाई की गई या गुफा तोड़ा गया, तो 50 कोश तक ज्वालामुखी फटेगा और उससे राजगीर तबाह हो जाएगा। ब्रिटिशों ने भी इस रहस्यमयी खजाने तक पहुंचने के प्रयास किया था। तोप के गोले का उपयोग करके इस कमरे को खोलने की कोशिश की गई, लेकिन वे असफल रहे। आज भी गुफा पर गोले के निशान देखे जा सकते हैं। गुफा की दीवार पर शंख लिपि में कुछ लिखा हुआ है, जो खजाने के रहस्यों को उजागर करने का संकेत माना जाता है। लेकिन इसकी भाषा और अर्थ अभी तक अज्ञात है। सोन भंडार गुफा के आस-पास अन्य प्राचीन गुफाएं भी हैं, जिनमें मौर्यकालीन और गुप्त राजवंशीय कलाकृतियां देखने को मिलती है। बिम्बिसार, जिन्होंने 543 ईसा पूर्व में मात्र 15 वर्ष की आयु में मगध की गद्दी संभाली, ने तबके राजगृह (अब राजगीर) का निर्माण कराया था। वायु पुराण के अनुसार, हर्यक वंश के शासनकाल से लगभग 2500 वर्ष पूर्व मगध पर सम्राट वृहद्रथ का शासन था, जिनके बाद उनके पुत्र जरासंध ने गद्दी संभाली। जरासंध को चक्रवर्ती सम्राट बनने के लिए 86 राज्यों को परास्त करने का श्रेय प्राप्त है। राजगीर की सोन भंडार गुफा, इसके रहस्यमयी खजाने और ऐतिहासिक महत्व के कारण एक आकर्षक गंतव्य बनी हुई है, जो प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के प्रति एक महत्वपूर्ण कड़ी प्रस्तुत करती है।

अजब-गजब | मनोरंजन के लिए बनाया गया था यह वाटरपार्क

कभी वाटरपार्क की दुनिया का कहा जाता था स्वर्ग, अब हो गया डरावना

वाटरपार्क का संसार बहुत ही निराला होता है. मनोरंजन के लिए बनाए ऐसे थीम पार्क परिवार और बच्चों के लिए खास तौर से बनाए जाते हैं। लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं जो मशहूर होते हैं। पर एक ऐसा पार्क भी है जो बंद हो चुका है और अब अपने डरावने स्वरूप के लिए ज्यादा जाना जाता है। ऐसा नहीं है किया इसे पर्यटक नहीं मिले थे। लेकिन हालात कुछ ऐसे बने कि इसे बंद कर दिया गया और वियतननाम का यह थीम पार्क अब नरक से भी डरावना माना जाता है।

हो थोई तिएन, जिसे वियतनाम में थिएन एन पार्कम के रूप में भी जाना जाता है। 2001 में 24 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत वाली एक महत्वाकांक्षी परियोजना के रूप में शुरू हुआ था। पास में एक मठ है और यह क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, जो इसे पर्यटकों के लिए एक प्राकृतिक आकर्षण बनाता है।

इस परियोजना को शहर की पर्यटन कंपनी ने फाइनेंस किया था, लेकिन अच्छी संख्या में पर्यटकों के बावजूद, समस्याएं तुरंत शुरू हो

गईं। 2004 में जब इसे सट्टेबाजों के लिए खोला गया, तब पार्क केवल आधा ही बना था। लेकिन सफलता की बहुत ज्यादा उम्मीदें परियोजना के कुछ ही महीनों में धराशायी हो गईं और पार्क कुछ ही महीनों में बंद हो गया। 2006 में इसे पुनर्जीवित करने और इसे इको-टूरिज्म कॉम्प्लेक्स में बदलने के प्रयास पर्याप्त पर्यटकों को आकर्षित करने में विफल रहे और 2011 में इसे फिर से बंद कर दिया गया। अब, जंग खाए हुए स्लाइड्स को बड़े हो चुके पौधों के साथ जोड़ दिया गया है, जबकि ड्रैगन की मूर्तियों जैसी डरावनी आकृतियां दृश्यों पर छाई हुई हैं। 2016 में हफपोस्ट के एक लेख के अनुसार, यहां तक कि मछली के टैंक भी पानी से भरे हुए थे, लेकिन अंदर जीवन का कोई संकेत नहीं था। हफपोस्ट ने कहा, क्योंकि बंद हो चुका वाटरपार्क बहुत रहस्यमय है, बैकपैकर मुड़े हुए नैपकिन पर दिशा-निर्देश देते हैं, गूगल मैप्स पर पिन डालते हैं और सही जगह पर पहुंचने के लिए एक-दूसरे को तस्वीरें दिखाते हैं। 2023 में, स्थानीय अधिकारियों द्वारा पार्क को साफ करने और इसे कैंपिंग के लिए उपयोगी बनाने के साथ-साथ इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल में बदलने की योजनाएं जारी की गईं।

सामाजिक न्याय की लड़ाई को और आगे बढ़ाएंगे : तेजस्वी यादव

आज से निकालेंगे जनविश्वास यात्रा कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद

» बोले- जो जनता की बात उठाएगा वही आगे जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जनविश्वास यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। तेजस्वी की पहले चरण की यात्रा 10 सितंबर से शुरू होकर 17 सितंबर तक चलेगी। इस दौरान तेजस्वी समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और मुजफ्फरपुर जिला मुख्यालय में ठहरेंगे, यात्रा कार्यकर्ताओं को साफ निर्देश दिए गए हैं कि यात्रा के दौरान किसी तरह की भीड़ नहीं जुटानी है और न ही कोई रोड शो या सार्वजनिक यात्रा होगी। तेजस्वी ने कहा कि ये कार्यकर्ता संवाद है, जिसमें पार्टी कैडेट और संगठनों से सीधे लेवल से बातचीत करना मुख्य मकसद है, हमारी कोशिश ये है कि संगठन को धरातल पर कैसे और मजबूत किया जाए, इसके साथ ही लोगों के बीच हम जो संवाद करते हैं, उसके मैसेज को हर किसी तक पहुंचाना है।

शुरू से ही लालू जी ने सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी, तब से सिर्फ मुसलमान और यादव ही नहीं बल्कि पूरा गरीब तबका आरजेडी के पक्ष में रहा है, हमारी कोशिश है कि सभी को साथ लेकर चला जाए, जिसमें ए टू जेड सब शामिल हों। हम लोगों की असल लड़ाई गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई को लेकर है। बिहार के लोग इसके सबसे ज्यादा भुक्तभोगी है। पलायन भी होता है गरीबी है और बेरोजगारी के साथ महंगाई भी चरम पर है. हमारी प्राथमिकता है कि सबको हम लोग मौका दें। तेजस्वी ने कहा कि चिराग पासवान उस समय भी हनुमान ही थे, भले ही उनका घर छीन लिया हो, उनके पिता की मूर्ति को गिरा दिया हो, उनकी पार्टी और एमपी को तोड़ा गया हो, मांझी जी भी एनडीए में ही थ, कुशवाह जी भी वहीं थे और मुकेश साहनी भी,लेकिन फिर भी हमने अच्छी लड़ाई लड़ी, कोई कहीं भी हो उससे फर्क नहीं पड़ता, बात ये है कि जनता के सवाल को कौन उठा रहा है, जनता की लड़ाई कौन लड़ रहा है और जनता को विश्वास किस पर ह, मुझे पूरा विश्वास है कि हमने जो काम किया, जो नौकरियां दी, आरक्षण की सीमा बढ़ाई, मानेदय दोगुना किया, जो वचन हमने दिए उनमें से हमने बहुत कुछ किया। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश जी 7,8 इधर-उधर गए, वो खुद में मस्त रहते हैं लेकिन बाकी मामलों में पस्त हो चुके हैं, मगर उनकी कोई क्रेडिबिलिटी नहीं बची, एक अधिकारी नहीं सुनता। कोई स्टेबल सरकार नहीं है, क्या फायदा ऐसी सरकार का, आखिर आप किस एजेंडे पर चल रहे हैं, कानून व्यवस्था भी लचर हो चुकी है, अपराधियों से मिलना, उनके यहां जाना यही काम है सीएम के पास। सीएम नीतीश से तुलना पर तेजस्वी ने कहा कि ये तो जनता बताएगी कि हम में कौन बेहतर हैं। मैं चाहता हूं कि बिहार की जनता एक बार मौका दें।

नहीं बची है सीएम नीतीश की क्रेडिबिलिटी

लालू के करीबी सुभाष और अशोक की 68 करोड़ की संपत्ति जब्त

बिहार में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई होती रहती है। इस दौरान अब फिर राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के करीबियों पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने लालू परिवार के नजदीकी सुभाष यादव और अशोक कुमार की लगभग 68 करोड़ की संपत्ति को जब्त कर लिया है। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार सुभाष यादव पहले से बालू तस्करी और अवैध कमाई के आरोप में जेल में बंद हैं। बालू के अवैध कारोबार में लिप्त ब्रॉडसंस कंपनी से जुड़े सुभाष यादव और अशोक कुमार की करोड़ों की संपत्ति जब्त की गयी है। प्रवर्तन निदेशालय ने देहरादून, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और पटना में सुभाष यादव और अशोक कुमार की पांच संपत्तियों को जब्त किया है।

बीजेपी अपने गिरेबान में झांके : मधु मंजरी

मुजफ्फरपुर में राजद नेत्री और प्रवक्ता मधु मंजरी ने भाजपा पर जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने भाजपा के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाने को लेकर भाजपा की आलोचना की है। मधु मंजरी ने कहा कि तेजस्वी यादव की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाने वाले भाजपा नेता पहले अपने डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के छठी पास होने की स्थिति पर गौर करें, जो खुद डिप्टी सीएम बने हुए हैं। मधु मंजरी ने कहा कि तेजस्वी बिहार के रोल मॉडल हैं और उनके 17 महीने के कार्यकाल को पूरे बिहार ने देखा है। एनडीए के प्रत्याशी अभिषेक झा द्वारा तेजस्वी को 9वीं फेल बताने पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी की शैक्षणिक योग्यता से ज्यादा महत्वपूर्ण है उनकी काम करने की क्षमता। क्या सचिन तेंदुलकर की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाए जाते हैं? इसी तरह, तेजस्वी ने भी अपने कार्यकाल में कई ऐतिहासिक काम किए हैं।

जितना भी समय लगे, अनुच्छेद 370 तो बहाल होगा ही : फारूक

» राजनाथ सिंह को नेकां नेता का जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य में अनुच्छेद 370 को फिर से बहाल किया जाएगा, भले इसमें कई साल लग जाएं। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों की आवाज है। इनका यह बयान तब आया है जब एक दिन पहले ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि था कि भाजपा के रहते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी कभी नहीं हो सकती है। अब्दुल्ला ने बारामूला में कहा कि मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्हें (भाजपा को) इसे रद्द करने में कितने साल लगे? हमें इसे बहाल करने में कई साल लग सकते हैं, लेकिन हम इसे निश्चित रूप से बहाल करेंगे।

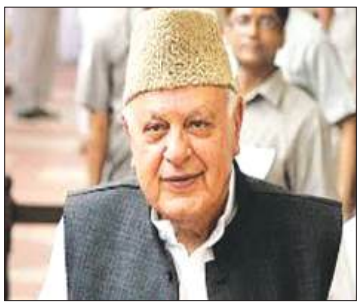

यह पूरे जम्मू-कश्मीर की आवाज है, यह लोगों की आवाज है। हाल में हुए आतंकवादी हमलों का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा ने दावा किया था कि 370 जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का मूल कारण है, लेकिन इसके हटाए जाने के बाद भी हमले हो रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि फिर यह आतंकवाद कहां से आ रहा है? जम्मू-कश्मीर में जो कुछ भी हो रहा है उसके लिए नई दिल्ली जिम्मेदार है।

भाजपा राजस्थान में कराए छात्रसंघ चुनाव

» गहलोत बोले- चुनाव स्थगित कराने जैसी परिस्थिति नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक बार फिर ट्वीट के जरिये राज्य सरकार से छात्रसंघ चुनाव करवाए जाने की मांग की है। राजस्थान में छात्रसंघ चुनावों की मांग को लेकर कई विश्वविद्यालयों में लगातार आंदोलन हो रहे हैं। अशोक गहलोत ने छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग करते हुए अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि राजस्थान की भाजपा सरकार द्वारा छात्रसंघ चुनावों को पुन: शुरू नहीं करना उचित नहीं है।

हमारी सरकार के दौरान विधानसभा चुनावों की पूर्व तैयारी के कारण चुनाव स्थगित किए गए थे परन्तु अब ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजनीति में मेरे सहित पक्ष-विपक्ष के तमाम विधायक, सांसद, मंत्री छात्रसंघ की राजनीति से निकलकर आए हैं। स्वयं मुख्यमंत्री एबीवीपी के सदस्य रहे हैं। छात्रसंघ चुनाव राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला है इसलिए चुनाव शुरू करवाए जाने चाहिए एवं छात्रसंघ चुनावों के लिए बनाई गई आदर्श आचार संहिता की पालना भी सुनिश्चित करवाई जानी चाहिए। छात्रसंघ चुनावों की मांग करने वाले तमाम छात्र नेताओं पर बलप्रयोग किया जाना उचित नहीं है।

बीजेपी के दिग्गज नेताओं की भी मांग

इन आंदोलनों में एनएसयूआई के साथ बीजेपी का अनुशांगिक संगठन एबीवीपी भी शामिल है लेकिन भजनलाल सरकार ने छात्रसंघ चुनाव पर करवाए जाने को लेकर अब तक कोई बयान भी नहीं दिया है। हालांकि बीजेपी के दिग्गज नेता भी सरकार से छात्रसंघ चुनाव जल्द से जल्द करवाने की मांग कर रहे हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शामिल हैं। गौरतलब है कि राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने पिछले दिनों बयान दिया था कि सरकार का छात्रसंघ चुनाव करवाने का कोई इरादा नहीं है। राजस्थान में मौजूदा विधायकों में से बहुत से विधायक ऐसे हैं, जो छात्रसंघ की राजनीति से ही सियासत में उभरकर आए हैं। इनमें से एक रविंद्र सिंह भाटी भी सरकार से मांग कर रहे हैं कि जल्द ही छात्रसंघ चुनाव करवाए जाएं।

पहचानना मुश्किल सड़क है या गड्ढा

» विधानसभा कादीपुर की सड़कें गायब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। योगी सरकार गड्ढा मुक्त सड़के और सुगम यातायात का दावा करती है, पर सुल्तानपुर की कादीपुर विधासभा के हालात इसके ठीक उलट हैं, पूरी विधानसभा में सड़के खस्ताहाल हैं, यूं कहे कही कहीं तो गड्ढो पे सड़क तलाशनी पड़ सकती हैं। बारिश का समय है कुछ सड़के तो ऐसी हैं बारिश के बाद समझ ही नहीं आता कि गाड़ी कैसे निकाली जाय तो वहीं बाइक सवार गिरते हुए भी नजर आते हैं।

सरकारी कागजों पर बन रहीं गड्ढामुक्त सड़कें

रियलिटी चेक किया गया कुछ सड़को पे तो नजारा बहुत ही बुरा दिखा बात करें तो कादीपुर से दोस्तपुर को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग की पूरा रास्ता टूटा हुआ है, बड़े बड़े गड्ढे हैं, बीच में सरैया बाजार है जहां पर लगभग 300 मीटर लम्बी पूरी बाजार में तालाब जैसा जल भराव दिखा। दूसरी सड़क दोस्तपुर से सूरापुर को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह से टूटी हुई है। वहीं दोस्तपुर को नेमपुर घाट से जोड़ने वाले मार्ग पर कादीपुर विधानसभा के विधायक का भी आवास है, यहां का तो इतना बुरा हाल है, कि सड़क बची ही नहीं है, कुछ है तो सिर्फ और सिर्फ गड्ढे। वहीं कादीपुर को चांदा से जोड़ने वाला मार्ग तो बदहाली में पड़ा हुआ है। बताते चले कुछ माह पूर्व ये सड़क सरकारी कागजों पे बन कर तैयार हो चुकी है, पता ही नहीं चला कि बिना सड़क बनाये पूरे धन की बंदरबांट कैसे हो गयी। कुल मिलाकर पूरी कादीपुर विधानसभा में शायद ही कोई सड़क हो जो योगी सरकार के गड्ढा मुक्त के दावे को संतुष्ट कर सके।

विधायक के लिखे पत्र भी रहे बेनतीजा

दूसरी तरफ क्षेत्रीय विधायक राजेश गौतम के द्वारा कई बार पत्र के माध्यम से सरकार को सूचित भी किया गया कि उनके विधानसभा में सड़के बदहाल है, फिर भी इसका परिणाम आज तक शून्य ही नजर आया।

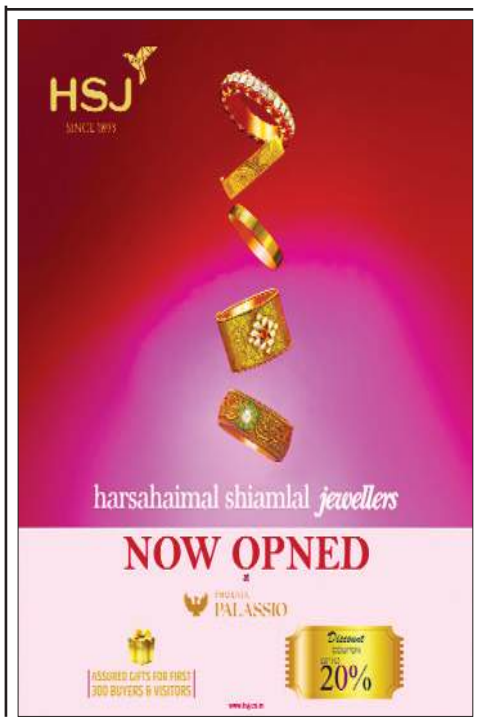

फडणवीस गृह विभाग का नेतृत्व करने के योग्य नहीं : संजय राउत

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बेटे के कार हादसे पर बरसे शिवसेना (यूबीटी) सांसद

» बोले- एफआईआर में संकेत का नाम क्यों नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र गृह विभाग का नेतृत्व करने के योग्य नहीं हैं। संजय राउत का यह हमला भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के बेटे की लग्जरी कार से हुए सड़क हादसे के एक दिन बाद आया है। राउत ने दावा किया कि मामले में सबूत मिटा दिए गए हैं और जब तक फडणवीस गृह मंत्री बने रहेंगे, तब तक राज्य में किसी भी मामले में निष्पक्ष जांच नहीं होगी।

बता दें कि चंद्रशेखर बावनकुले के बेटे संकेत बावनकुले की ऑडी कार ने सोमवार तड़के नागपुर के रामदासपेठ इलाके में कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिसके बाद पुलिस ने चालक और एक अन्य व्यक्ति को मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लग्जरी कार में सवार लोग धरमपेठ इलाके में एक बीयर बार से लौट रहे थे, जिस दौरान यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि मेडिकल जांच में शराब पीने के मामले का पता लगाने के लिए रक्त परीक्षण भी होगा। पुलिस अधिकारी ने कहा, कि मामले में तेजी से गाड़ी चलाने और अन्य अपराधों का मामला दर्ज किया गया है। संकेत और मनकापुर पुल पर घटनास्थल से भागने वाले अन्य दो लोगों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं राउत ने मामले की जांच को लेकर मंगलवार को फडणवीस पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि बावनकुले के बेटे ने कथित तौर पर शराब पीकर नागपुर में दो लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हैरानी की बात यह है कि प्राथमिकी में उसका नाम दर्ज नहीं था और दुर्घटना के बाद कार की नंबर प्लेट हटा दी गई थी।

गृह मंत्री और डीजीपी के रहते निष्पक्ष जांच मुश्किल

उन्होंने कहा कि अगर नागपुर से ही आने वाले देवेंद्र फडणवीस गृह विभाग का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने में विफल रहते हैं, तो वे इस तरह के पद के लिए योग्य नहीं हैं। राउत ने दावा किया, कार बावनकुले के नाम पर पंजीकृत है, फिर भी सभी सबूत हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा, जब तक देवेंद्र फडणवीस गृह मंत्री हैं और रश्मि शुक्ला पुलिस महानिदेशक हैं, तब तक राज्य में किसी भी मामले में निष्पक्ष जांच नहीं हो सकती।

पुलिस करे बिना पक्षपात के निष्पक्ष जांच : बावनकुले

वहीं इस हादसे के बाद चंद्रशेखर बावनकुले ने स्वीकार किया कि ऑडी कार उनके बेटे संकेत के नाम पर पंजीकृत थी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, पुलिस को बिना किसी पक्षपात के दुर्घटना की गहन और निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। जो लोग दोषी पाए जाएं, उन पर आरोप लगाए जाने चाहिए और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। मैंने किसी पुलिस अधिकारी से बात नहीं की है। कानून सभी के लिए समान होना चाहिए।

आप ने हरियाणा में नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची की जारी

» प्रो. छत्रपाल को भी टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। सोमवार को ही भाजपा छोड़कर पार्टी में शामिल हुए प्रो. छत्रपाल को बरवाला से उम्मीदवार घोषित किया गया है। पार्टी अब तक 29 उम्मीदवारों का एलान कर चुकी है। साढौरा से रीता बमनैया को टिकट दिया गया है। थानेसर से कृष्ण बजाज और इंद्री से हवा सिंह को प्रत्याशी घोषित किया गया है। रतिया से मुख्त्यार सिंह बाजीगर, आदमपुर से एडवोकेट भूपेंद्र बेनीवाल, बावल से जवाहर लाल को टिकट दिया गया है। फरीदाबाद से प्रवेश मेहता और तिगांव से अबाश चंदेला को उम्मीदवार घोषित किया गया है।

मुख्तियार सिंह बाजीगर को आम आदमी पार्टी ने बनाया रतिया से उम्मीदवार 2 दिन पहले भारतीय जनता पार्टी छोड़ने वाले पंचायत समिति के पूर्व चेयरपर्सन प्रतिनिधि मुख्तियार सिंह बाजीगर को आम आदमी पार्टी ने रतिया विधानसभा क्षेत्र से टिकट दी है। गांव हिजरावा कलां निवासी 55 वर्षीय मुख्तार सिंह बाजीगर पिछले 30 सालों से राजनीति में है। पहले 20 साल इनेलो में रहे।

कांग्रेस से गठबंधन की वार्ता विफल

कांग्रेस और आप के बीच पिछले पांच दिन से गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी। कांग्रेस की ओर से दीपक बाबरिया और आप के राघव चड्ढा के बीच बातचीत चल रही थी। पार्टी के सूत्रों के अनुसार आप 10 से ज्यादा सीटें मांग रही थी, मगर कांग्रेस तीन से ज्यादा सीटें देने को तैयार नहीं हो रही थी।

हाईकोर्ट की केरल सरकार को फटकार

» न्यायालय ने कहा- फिल्म उद्योग में मीटू मामलों पर चुप रहना कोई विकल्प नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य सरकार पर न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के आधार पर निष्क्रियता और मामले दर्ज न करने के लिए कड़ी फटकार लगाई, जिसने मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के यौन शोषण को उजागर किया था।

न्यायमूर्ति ए.के. जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति सी.एस. सुधा की एक विशेष पीठ ने सरकार द्वारा गठित एसआईटी को कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, हालांकि इसने मीडिया को चुप कराने से इनकार कर दिया। यह देखते हुए कि रिपोर्ट 2019 में ही सरकार को सौंप दी गई थी, अदालत ने कहा, हम मुख्य रूप से राज्य की निष्क्रियता से चिंतित हैं, जिसमें एफआईआर दर्ज न करना भी शामिल है... आपने 4 साल में रिपोर्ट को दबाए रखने के अलावा कुछ नहीं किया है। अदालत ने आगे कहा कि सरकार के लिए चुप्पी कोई विकल्प नहीं है।

माकपा महासचिव सीताराम येचुरी की हालत गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) के महासचिव सीताराम येचुरी की हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें कुछ दिन पहले ही दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था, वहीं, अब सांस लेने में दिक्कत होने के बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की एक टीम उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है।

जारी बयान में कहा गया है कि 72 वर्षीय सीपीआई-एम के महासचिव सीताराम येचुरी की सांस की नली में संक्रमण हो गया है,जिसका उपचार हो रहा है। चिकित्सकों की एक टीम उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है, उनकी हालत इस समय गंभीर है।

छात्रों के प्रदर्शन से डरी बिरेन सिंह सरकार

» इंफाल समेत तीन जिलों में लगा दिया कर्फ्यू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

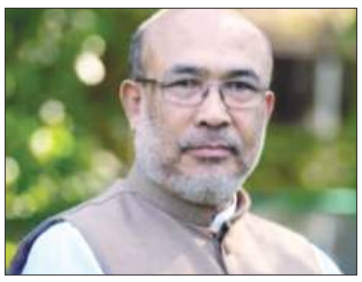

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच प्रदेश की बिरेन सिंह सरकार ने पूर्वोत्तर राज्य के तीन जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है। इंफाल के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है, जिससे निवासियों को अपने घर छोड़ने पर रोक लगा दी गई है क्योंकि अधिकारी सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, थौबल जिले में बीएनएसएस की धारा 163 (2) के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है।

ये उपाय किसी भी तनाव को बढ़ने से रोकने और इन क्षेत्रों में जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए हैं। कर्फ्यू में ढील के पहले के आदेश 10 सितंबर की सुबह 11 बजे से तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए हैं। इसलिए, अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से इंफाल पूर्वी जिले में पूर्ण कर्फ्यू है।

पेंशन को लेकर हिमाचल में सियासी हलचल

» नेता प्रतिपक्ष बोले- पेंशन मोदी ने नहीं रोकी

» सीएम सुक्खू का जवाब- प्रधानमंत्री का नाम नहीं लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर सदन में हुई चर्चा में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर में तीखी नोकझोंक हुई। नियम-130 के तहत चर्चा में जयराम ठाकुर ने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि पेंशन मोदी ने रोकी है। जयराम ने कहा कि अगर हिमाचल का पैसा दिल्ली में पड़ा है तो उसे लेकर आएंगे पर सरकार बताए तो सही कहां पड़ा है। इस पर सीएम ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री का नाम तो कभी लिया ही नहीं। उन्होंने जयराम ठाकुर की ओर इशारा कर कहा -हमने इन्हीं को दोषी कहा है। इस बारे में वह मंगलवार जवाब दिया।

मुख्यमंत्री स्पष्ट करें आर्थिक संकट है या नहीं : जयराम

जयराम ने कहा कि मुख्यमंत्री स्पष्ट करें कि आर्थिक संकट है या नहीं। नया वित्तीय वर्ष शुरू होगा तो छह हजार करोड़ रुपये का कर्ज ले सकेंगे। वेतन-पेंशन का संकट बना रहेगा। सीएम कहते हैं कि 2027 तक प्रदेश सबसे अमीर राज्य बनेगा। यह स्पष्ट नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को वेतन पांच और पेंशन 10 तारीख को देने से यह स्थिति बनी है कि सरकार अपने बूते वेतन और पेंशन देने की हालत में नहीं है। प्रदेश का 40 प्रतिशत बजट कर्मचारियों और पेंशनरों को जाता है। यह सरकार लगातार पिछली सरकार को दोषी ठहरा रही है। जब जयराम सरकार सत्ता में आई तो 48 हजार करोड़ रुपये का कर्ज पिछली कांग्रेस सरकार छोड़कर चली गई थी। सही मायने में प्रदेश अगर आर्थिक रूप से पटरी से उतरा है तो यह 1993 से 1998 के बीच हुआ, जबकि उस समय कोई ऐसा आर्थिक संकट नहीं था। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार प्रदेश को 93 हजार घरों का तोहफा दे रही है तो दूसरी तरफ सुक्खू सरकार सीमेंट के दाम बढ़ाकर गरीबों के घर के सपनों को मुश्किल कर रही है। एक हफ्ते में दो बार सीमेंट के दाम में बढ़ोतरी सुक्खू सरकार की नाकामी है। प्रदेश में आई आपदा के बीच ऐसे अवसर तलाशने वाली सरकार आज तक कहीं नहीं देखी गई है। सुक्खू सरकार आपदा की वजह से टूट चुके घरों के पुनर्निर्माण को एक अवसर की तरह ले रही है और आए दिन सीमेंट की कीमत बढ़ा रही है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि जब से सुक्खू सरकार सत्ता में आई है तब से सीमेंट के दामों में 100 रुपए से ज्यादा की वृद्धि हो चुकी है। आपदा के समय राज्य सरकार को आपदा प्रभावितों के पुनर्वास हेतु मदद करनी चाहिए, लेकिन यहां सरकार पुनर्वास को और कठिन बना रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।